आकाशवाणी
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 25.06.2025 समय 1305

मुख्य समाचार :–

- देहरादून में तीन दिवसीय भारतीय संरक्षण सम्मेलन शुरू। देश–विदेश से 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।
- अल्मोड़ा में नव निर्मित बाल वाटिका और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंग्रेजी भाषा केंद्र का शुभारंभ।
- हल्द्वानी में एक कार के नहर में गिरने से चार लोगों की मृत्यु।
- प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर बारिश का दौर जारी। देहरादून, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट।

भारतीय संरक्षण सम्मेलन–2025

देहरादून स्थित भारतीय वन्यजीव संस्थान में आज भारतीय संरक्षण सम्मेलन–2025 की शुरुआत हुई। तीन दिवसीय इस सम्मेलन में देश–विदेश से 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य जैव विविधता संरक्षण से जुड़े वैज्ञानिक शोध, नीति निर्माण और सामुदायिक भागीदारी को एक मंच पर लाना है। सम्मेलन के पहले दिन आज सुबह से ही विविध सत्रों में संरक्षण से संबंधित प्रस्तुतियां की जा रही हैं। शोधार्थी स्पीड टॉक्स के ज़रिए बंदरों की बढ़ती संख्या, पक्षी पहचान में मशीन लर्निंग, आक्रामक प्रजातियां और जलीय जीवन पर शोध साझा कर रहे हैं। चार समानांतर सत्रों में वन्यजीव विज्ञान, जल तंत्र, भालू और लंगूरों की पारिस्थितिकी तथा वन्यजीव स्वास्थ्य पर चर्चा प्रस्तावित है। आज ही सरकार की प्रमुख पहलें भी साझा की जाएंगी, जैसे राष्ट्रीय जीव–जंतु पोर्टल, नागरिक भागीदारी वाले हरित अभियान और हिमालयी पारिस्थितिकी संरक्षण।

कल जैव विविधता, जनजातीय जीवन और जलवायु परिवर्तन पर व्याख्यान होंगे। समुद्री जैव विविधता और संवेदनशील प्रजातियों पर शोध प्रस्तुत किये जाएंगे।

बिग कैट संरक्षण' पर एक अंतरराष्ट्रीय सत्र भी होगा, जिसमें सात बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण की चुनौतियां और नवाचारों पर चर्चा होगी।

इस सम्मेलन का उद्देश्य शोध, नीति और तकनीक को जोड़कर भारत व वैश्विक दक्षिण में संरक्षण को मज़बूत बनाना है।

गौरतलब है, यह सम्मेलन 2023 में प्रोजेक्ट टाइगर की स्वर्ण जयंती के मौके पर शुरू हुआ था, और अब यह संरक्षण विज्ञान और युवाओं को जोड़ने का प्रमुख मंच बन चुका है।

अंग्रेजी भाशा केंद्र

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा में जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे ने नव निर्मित बाल वाटिका और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अंग्रेजी भाषा केंद्र का शुभारंभ किया। उन्होंने जिला शिक्षा सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता भी की। बैठक में जिले के 11 विकासखंडों के खंड शिक्षा अधिकारियों ने भाग

लिया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिकारियों को आंगन बाड़ी केंद्रों में उचित शिक्षा प्रबंधन को लेकर बाल विकास विभाग के साथ सामंजस्य से कार्य करने के निर्देश दिए।

सेंटर ऑफ एक्सलेंस अंग्रेजी भाषा केंद्र की समन्वयक डॉ हेमलता धामी ने कहा कि संस्थान में स्थापित एक्सीलेंस सेंटर एक शैक्षणिक हब की तरह कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य स्कूलों, घरों और राज्य में एक समृद्ध भाषा और संवाद का वातावरण बनाना है। उन्होंने कहा कि इस सेंटर ने गत वर्ष कक्षा 10 और 12 के लिए मॉडल प्रश्न पत्र भी तैयार किए, जो आगे भी छात्रों को स्पष्ट दिशा प्रदान करेंगे।

बीआईएस आईटीबीपी मातली

भारतीय मानक ब्यूरो– बीआईएस देहरादून शाखा कार्यालय की ओर से उत्तरकाशी जिले में भारत–तिब्बत सीमा पुलिस बल, मातली में एक संवेदीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य आईटीबीपी के अधिकारियों और जवानों को बीआईएस की कार्यप्रणाली, उपभोक्ता अधिकारों तथा आईएसआई चिह्नित उत्पादों की उपयोगिता के साथ ही सुरक्षा उपकरणों में प्रयुक्त मानकों की जानकारी देना था।

दुर्घटना मृत्यु

नैनीताल जिले के हल्द्वानी में आज सुबह अग्निशमन कार्यालय के निकट एक कार के नहर में गिरने से एक बच्चे सहित चार लोगों की मृत्यु हो गई। हादसे में घायल तीन अन्य लोगों का उपचार चल रहा है।

मौसम

राजधानी देहरादून सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर रुक रुककर बारिश हो रही है। बारिश से पर्वतीय इलाकों में सड़क मार्ग बाधित हुए हैं, जिन्हें खोलने के लिए संबंधित जिला प्रशासन जुटा है। रुद्रप्रयाग जिले में सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच राजमार्ग बंद होने के कारण केदारनाथ पैदल यात्रा को सुरक्षा की दृष्टि से रोका गया है। साथ ही तीर्थयात्रियों को सोनप्रयाग में ठहराया गया है। पुलिस के अनुसार, प्रभावित क्षेत्र में पहाड़ी से लगातार पत्थर गिर रहे हैं और केदारनाथ से गौरीकुंड के बीच सतर्कता बरती जा रही है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि कल रात से ही केदारनाथ में तेज बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि पैदल मार्ग के सभी पडावों पर सुरक्षा की दृष्टि से सतर्कता बरतने को कहा गया है। वहीं, उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री धाम पैदल मार्ग नौ कैंची के पास भूस्खलन स्थल पर राहत व बचाव अभियान आज फिर से शुरू कर दिया गया है। एनडीआरएफ टीम द्वारा भूस्खलन क्षेत्र मे स्निफर डॉग की भी मदद ली जा रही है। भूस्खलन स्थल पर मलबा और पत्थरों को हटा दिया गया है। तीर्थयात्रियों को यमुनोत्री धाम के लिए जानकीचट्टी से धीरे–धीरे भेजा जा रहा है, जो यमुनोत्री से वापस आते समय वैकल्पिक मार्ग से होते हुए जानकीचट्टी पहुंचेंगे। सुरक्षा की दृष्टि से अलग–अलग स्थानों पर पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ की टीमें, स्वास्थ्य विभाग और लोक निर्माण विभाग के वॉचर तैनात किये गये हैं।

उधर, बागेश्वर जिले के सभी क्षेत्रों में कल रात से बारिश हो रही है। भूस्खलन से जिले के 16 आंतरिक मोटर मार्ग बंद हैं, जिन्हें खोलने के प्रयास किये जा रहे हैं। वहीं गरुड़ मोटर मार्ग में हरिद्वारछीना के पास एक वाहन के अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटने से दो लोग घायल हो गए। इस बीच, मौसम विभाग ने आज देहरादून, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर और नैनीताल जिलों में कहीं–कहीं गर्जन के साथ भारी से बहुत भारी बारिश और तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग ने राज्य के शेष जिलों में गर्जन के साथ भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

राज्यपाल

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने पंतनगर विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. ध्यान पाल सिंह की मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही डॉ. ध्यान पाल सिंह पार्क का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि हरित क्रांति का बिगुल बजाने वाले पदम श्री डॉ ध्यान पाल सिंह ने हरित क्रांति के माध्यम से पूरे देश मे कृषि के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि वे हमारे प्रेरणा स्रोत हैं। राज्यपाल ने कहा कि डॉ. सिंह ने पंतनगर विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में 9 वर्षों तक कार्य किया। कुलपति के पद पर रहते हुए उन्होंने बीजों को जन–जन तक पहुंचाने के लिए वर्ष 1969 में तराई विकास निगम की स्थापना की, जिससे पूरे देश में बीजों के क्षेत्र में क्रांति आई।